हमारा पुरूषार्थ ऐसा हो जो भगवान भी हमारा सम्मान करे

राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

बाबा कहते बच्चे, मैं तुम्हारे लिए हथेली पर स्वर्ग लाया हूँ। स्वर्ग मेरी रचना है, मेरी सम्पदा है, तुम उसके मालिक हो। तुम स्वर्ग में जाओगे, तुम सब उसके मालिक होंगे। तुम सब कहेंगे हमारा भारत। वहाँ हमारा प्रकृति पर भी अधिकार होगा। तो हमें राजाई पानी है ये उमंग-उत्साह हमारे मन में होना चाहिए। हमें आठ घण्टे योग की ओर चलना है। कर्म करते हुए बहुत अच्छी योग युक्त स्थिति बनानी है। ताकि हम परम सुख के अधिकारी बन जायें। ये परम सुख सवेरे बहुत मिलता है। जब प्रकृति शीतल होती है। जब चारों ओर सबकुछ शांत होता है उस टाइम परमात्म मिलन का सुख प्राप्त करना, वो सतयुगी राजाई से भी श्रेष्ठ है। परंतु राजाई प्राप्त करनी है तो रजाई तो छोड़नी पड़ेगी सवेरे-सवेरे। अगर रजाई खिंचती रहेगी, बेड खिंचता रहेगा तो वो सुन्दर समय हमारे हाथ से निकल जायेगा।

भगवान सवेरे-सवेरे वरदान देने आते हैं। हमें बहुत कुछ सिखाने आते हैं। समस्याओं का हल सुझाते हैं। हमारे सिर पर अपना वरदानी हाथ रखते हैं। हमें बहुत प्यार और पुचकार देते हैं। हल्का कर देते हैं, और बोझ हर लेते हैं। सवेरे परम सुख उनसे प्राप्त करें। सतयुगी राजाई तो है ही बहुत बड़ी प्राप्ति।

इस समय ये जो पुरुषोत्तम संगमयुग चल रहा है जबकि इस धरा पर भगवान का गुप्त कार्य चल रहा है। जो ज़्यादा मनुष्यों को पता नहीं है। पर बहुत सारे लाखों लोग इससे जुड़ चुके हैं। उनका परमात्म मिलन हो चुका है। वो सभी विकारों से मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने अपने खान-पान को शुद्ध कर लिया है। मलेच्छ खान-पान ये देवताओं का भोजन नहीं है। ये गंदगी आसुरी सम्पदा का भोजन है। आजकल वही हाल हो गया सबका, रॉयल कहलाने वाले लोग इस मार्ग पर चल पड़े, इसको रॉयल्टी समझ बैठे हैं। लेकिन रॉयल्टी और पर्सनैलिटी कुछ और है। ईश्वरीय महावाक्यों में दोनों की बड़ी गुह्य डेफिनेशन सुनी है।

तो सवेरे-सवेरे हम परमात्म सुख प्राप्त करें। परमात्म सुख इतना भर लें अपने में कि जो भी हमारे वायब्रेशन्स में आ जाये, हमारे औरा के बीच में आ जाये उसके दुःख समाप्त होने लगें। उसका चित्त शान्त होने लगे, वो सुखी हो जायें। एक खज़ाना है ये बहुत बड़ा। ये सुख सांसारिक सुखों से बहुत बढ़कर है, इसको अतीन्द्रिय सुख कहा जाता है। और ये भगवान के महावाक्य हैं कि अतीन्द्रिय सुख पूछना हो तो उन बच्चों से पूछो जो आत्मभिमानी होकर रहते हैं। देह भान से न्यारे होकर चलना। आत्मा के सभी गुणों और शक्तियों का स्वरूप बनते चलना। इससे

पवित्रता सुख-शांति की जननी है। आज दुःख, अशांति बढ़ ही इसीलिए रहे हैं क्योंकि इम्प्युरिटी बहुत बढ़ गई है। दृष्टि भी इम्प्युअर, बोल भी इम्प्युअर तो फीलिंग भी इम्प्युअर, दैहिक दृष्टि, इनसे जो योगी हट जाता है उसको परम शांति प्राप्त होती है।

ये अतीन्द्रिय सुख, बहुत गहरा सुख, सच्चा आत्मा का सुख प्राप्त हो जाता है। ये हमें प्राप्त करना है। जो ये सुख प्राप्त कर लेंगे वो जन्म-जन्म कलियुग के अन्त तक भी सुखी रहेंगे।

शांति का खज़ाना बहुत बड़ा है। परमात्म शांति हमें प्राप्त हो रही है। उसने इतना सुन्दर ज्ञान दे दिया कि ज्ञान को सुनते-सुनते ही चित्त शांत हो जाता है। सारी बेचैनियां, जीवन की सारी टेन्शन, सारी अशांति, सारे मन के बोझ, मन का विचलित होना सब रूक जाता है। ये ईश्वरीय ज्ञान से ही सम्भव है। अगर कोई जबरदस्ती करेगा तो उसके ब्रेन पर इसका बुरा असर आयेगा। वो जीवन के लिए अच्छा नहीं होगा। तो नैचुरल हम अपने जीवन को, अपने चित्त को शांत कर लें ज्ञान के द्वारा, राजयोग के द्वारा। ये बहुत बड़ा खज़ाना है, हमारे खज़ाने हैं पवित्रता, संसार में जिसमें लोगों को ज़्यादा नॉलेज नहीं है। पवित्रता सुख-शांति की जननी है। आज दुःख, अशांति बढ़ ही इसीलिए रहे हैं क्योंकि इम्प्युरिटी बहुत बढ़ गई है। दृष्टि भी इम्प्युअर, बोल भी इम्प्युअर तो फीलिंग भी इम्प्युअर, दैहिक दृष्टि, इनसे जो योगी हट जाता है उसको परम शांति प्राप्त होती है। वो पवित्रता के खज़ाने से स्वयं को भरपूर कर लेता है। उसको सम्पूर्ण प्रकृति भी बहुत साथ देती है। तो सभी को ये मालूम होना चाहिए भगवान गुप्त रूप से ये दिव्य कार्य कर रहे हैं। पर इतना गुप्त भी नहीं है कि किसी को पता भी न हो। बहुतों को पता चल चुका है और बहुत इससे जुड़ भी चुके हैं। स्वयं को इन सभी खज़ानों से भरपूर कर रहे हैं।

शिवबाबा(भगवान) कहते हैं मैंने तुम्हें भाग्य की रेखा खींचने की कलम दे दी है। श्रेष्ठ कर्म ही वो कलम है। किसी को भगवान से मिला देना, किसी को मुक्ति-जीवनमुक्ति का मार्ग दिखा देना, किसी के जीवन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं को समाप्त करा देना, किसी को ऐसी राजयोग की विद्या सीखा देना कि वो स्वयं बहुत शक्तिशाली बन जायें। ये श्रेष्ठ कर्म, ये पुण्य कर्मों का खज़ाना बहुत ही बड़ा है। इसका जो फल मिलता है वो स्वर्ग का भाग्य।

वर्तमान समय जब युग परिवर्तन होगा तो अचानक बहुत कुछ होता रहेगा। अचानक खेल बिगड़ता हुआ नज़र आयेगा। जो कभी मन में सोचा नहीं था वो अचानक दिखाई देगा। मनुष्य भयभीत हो जायेंगे। वो तो समझ में नहीं आयेगा कि करें क्या? तो हम सभी अभी से बहुत अच्छा अभ्यास कर लें। भगवान हमारा साथी है, वो हमें साथ दे रहा है। तो उस टाइम उसका साथ होने के कारण हमें समझ में आ जायेगा कि हमें क्या करना है। तो परमात्म सुख, परमात्म साथ उसकी गाइडेन्स सबको निरंतर मिल रही हैं। ये बहुत बड़े खज़ाने हैं।

एकान्त में उसका चिंतन करने से हमारी बुद्धि बहुत शुद्ध हो जाती है, डिवाइन हो जाती है। और ये बुद्धि जन्म-जन्म हमारे साथ चलेगी। तो आइए हम गहन चिंतन करें। पुरुषोत्तम संगमयुग पर शिव बाबा से हम अच्छे से अच्छा क्या लें ताकि हम भरपूर हो जायें। और जब हम इस संसार से जायें तो खाली हाथ नहीं, भरपूर होकर जायें। जब भगवान के पास पहुंचें तो वो भी खड़े होकर हमारा सम्मान करे।

शांतिवन। सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अपने दो दिवसीय पारिवारिक दौरे पर ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शांतिवन पहुंचे। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात कर आशीर्वाद लेने के पश्चात् वे दादी कॉटेज में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी के साथ आध्यात्मिक ज्ञानचर्चा करते हुए।

दिल्ली-मजलिस पार्क। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय वक्ता एवं वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी। साथ हैं सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. राजकुमारी दीदी, ग्राम विकास प्रभाग के सतवीर भाई तथा भाजपा की प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती अलका त्यागी।

ऋषिकेश-उत्तराखंड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आशीर्वाद वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन, महामंडलेश्वर ईश्वर दास जी महाराज,संस्थापक अध्यक्ष कृष्णन्यन देसी गौ रक्षा, महामंडलेश्वर दयाराम दास जी महाराज,अध्यक्ष विरक्त वैष्णो मठ, महामंडलेश्वर कर्णपाल गिरी जी महाराज, महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज,अध्यक्ष तुलसी मानस मंदिर, महंत छोटन दास जी महाराज,विराक्त वैष्णव मंडल, महंत स्वामी आलोक हरि महाराज,अखिल भारतीय संत समिति,श्री 108 कृपालु महाराज जी तथा ब्र.कु. भाई-बहनों सहित 2500 से अधिक लोग शामिल रहे।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में एफ.एस.एस.ओ. दीपक कुमार, अग्निशमन अधिकारी राजकुमार वाजपेई, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता बहन, भारतीय नागरिक कल्याण एवं अपराध निरोधक समिति के सचिव अधिवक्ता हरीश शर्मा, ए.एस.आई. राजकुमार गौतम, ए.एस.आई. उदय प्रताप सिंह, फायरमेन सिद्धार्थ कुमार, महेश कुमार, हरेन्द्र कुमार व अन्य सदस्यों सहित सभासद दिनेश उपाध्याय, एडवोकेट हरीश शर्मा, इंजीनियर संजय सिंह सिकरवार, पूर्व सहायक कोषाधिकारी दाऊदयाल अग्रवाल, व्यवसायी अरविन्द अग्रवाल, ब्र.कु. श्वेता बहन, ब्र.कु. दुर्गेश बहन, दिनेश भाई तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

परबतसर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ उपसेवाकेंद्र द्वारा मदर्स डे तथा नर्सेज़ डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड तथा विश्व कीर्तिमान रिकॉर्ड में नाम दर्ज कवयित्री तथा साहित्यकार रंजना वैष्णव, हेड कॉन्स्टेबल सूरज कंवर, वरिष्ठ नर्स लता सक्सेना, अति. विकास अधिकारी जितेंद्र बंसल, महावीर प्रसाद वैष्णव रिटायर्ड डी.एस.एल.आर्मी व ब्र.कु. अंजू बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

नेपाल-बुटवल। आध्यात्मिक शिक्षाओं द्वारा समाज को मूल्यनिष्ठ बनाने हेतु ब्रह्माकुमारीज़ के सकारात्मक पहल और प्रयास की सराहना करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की सह-निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी को बुटवल चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने विशेष समारोह के मध्य सम्मानित किया।

जलंधर-पंजाब। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 'बी द बेस्ट वर्ज़न ऑफ यू' कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ जलंधर के भाई-बहनें, ब्र.कु. डॉ. सुनीता दीदी,माउण्ट आबू तथा लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के स्टाफ शामिल रहे। यह कार्यक्रम एसपीएडीई छात्रों की टीम के सहयोग से आयोजित किया गया।

बरेली-चौपला रोड(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित 'स्वस्थ एवं स्वच्छ परिवार के लिए माता की भूमिका' विषयक कार्यक्रम में संस्थान की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. पार्वती दीदी, सिविल लाइंस सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. नीता दीदी, ब्र.कु. पारुल बहन, पुष्प लता गुप्ता,दिव्यांग दिशा स्कूल की अध्यक्ष, शुभा गुप्ता,आर्ट ऑफ लिविंग सीनियर टीचर, डॉ. नमीता अग्रवाल,एकता नर्सिंग होम, सीमा गोयल,अशोक फोम एंड मल्टी प्लास्ट लिमिटेड,पार्टनर, डॉ. मोनिका,राजश्री मेडिकल कॉलेज,ओनर, विद्या लदानी,कोका-कोला फैक्ट्री,ओनर, रीता बहन,रिटा. प्रिंसिपल,बरेली कॉलेज, मधु वर्मा,कवयित्री मानव सेवा क्लब सदस्य, संतोष कश्यप,पार्षद आदि शामिल रहे।

खेड़ी लखा सिंह-रादौर(फतेहाबाद)। आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. राज बहन, ब्र.कु. राजू भाई, समाज सेवक सुरेश खुराना, स्मार्टो एक्सपीरियेंशल स्कूल के चेयरमैन युधिष्ठिर खन्ना, प्रिंसिपल ज्योतिष खन्ना, वाइस प्रिंसिपल हिमानी खन्ना तथा अन्य।